नोएडा LIVE सिटी

शुक्रवार 17 मई 2019

हिन्दुस्तान

इस रूट पर रोजाना एक लाख यात्रियों के मिलने की उम्मीद थी, कम सवारियां मिलने पर एनएमआरसी ने कराया सर्वे

ग्रेनो मेट्रो को लक्ष्य से सिर्फ 16% यात्री मिल रहे

नोएडा | वरिष्ठ संवाददाता

साढ़े तीन महीने बाद भी नोएडा-ग्रेनो मेट्रो को सिर्फ 16 प्रतिशत सवारियां मिल रही हैं। इस लाइन पर मेट्रो चलाते हुए दावा किया गया था कि इस रूट पर रोजाना एक लाख राइडरशिप रहेगी। उम्मीद के मुताबिक सवारियां नहीं मिलने पर एनएमआरसी ने सर्वे कराया है। सर्वे में सवारियां नहीं मिलने की मुख्य रूप से पांच वजहें सामने आई हैं। अब इन वजहों को दूर करने के लिए एनएमआरसी ने प्रयास शुरू कर दिए हैं।

उद्घाटन के बाद इस लाइन पर लोगों के लिए 26 जनवरी 2019 से मेट्रो शुरू हो गई थी। शुरूआत में इस लाइन पर 11 हजार के आसपास राइडरशिप थी। करीब 15 दिन बाद राइडरशिप 12 हजार और एक महीने बाद 13 हजार तक पहुंच गई। इस समय 16 हजार के आसपास राइडरशिप चल रही है। इस दौरान सबसे ज्यादा राइडरशिप 15 मार्च को 17164 रही थी। खास बात यह है कि सवारियों की संख्या बढ़ाने के लिए नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन-एनएमआरसी-ने सभी स्टेशनों से होते हुए एसी बसों को फीडर बसों के रूप में चलाना शुरू किया। इसके लिए 16 रूट चिन्हित किए गए। करीब डेढ़ महीने तक सवारियां नहीं मिलने पर इनके रूट घटाकर 11 कर दिए गए है।

अब उम्मीद के मुताबिक सवारियां नही मिलने पर एनएमआरसी ने सर्वे कराया है। स्टेशनों के आसपास सोसाइटी-कंपनी में यह सर्वे कराया गया है। सर्वे में मुख्य रूप से पांच वजह निकलकर सामने आई हैं। इनमें बसों के मुकाबले किराया अधिक होना, समय अधिक लगना, लाइन व स्टेशनों के बीच कनेक्टिविटी नहीं होना, फीडर बसों व ई रिक्शा की कनेक्टिविटी नहीं होना व डीएमआरसी का एनएमआरसी की मेट्रो में कार्ड का प्रयोग नहीं होना है। सवारियों की संख्या बढ़ाने की योजना पर काम शुरू कर दिया गया है।

कम सवारी की वजह

बसों के मुकाबले में ज्यादा किराया

1. इस लाइन पर सेक्टर-51 से ग्रेनो के आखिरी डिपो स्टेशन तक 50 और परी चौक तक 40 रुपए किराया है जबकि रोडवेज बसों में बॉटनिकल गार्डन से परी चौक तक जाने के लिए 25 रुपए लगते हैं। सेक्टर-35 रोडवेज डिपो से परी चौक तक 28 रुपए लगते हैं।

लाइन और स्टेशनो के बीच कनेक्टिविटी नहीं

2. ब्लू लाइन के सेक्टर-52 और ग्रेनो मेट्रो के सेक्टर-51 स्टेशन के बीच स्काईवॉक नहीं होने से लोगों को स्टेशन से नीचे उतरना पड़ता है। इससे लोगों को परेशानी होती है। इसके अलावा इस लाइन के सेक्टर-142 स्टेशन से ओखला पक्षी विहार के स्टेशन तक मेट्रो जुड़ने की योजना पर काम शुरू नहीं होना भी वजह है।

यात्रा में समय ज्यादा लग रहा

3. सेक्टर-51 से ग्रेनो डिपो तक पहुंचने में 50 मिनट तक लग रहे हैं। परी चौक की ओर जाने वाली काफी सवारियां बॉटनिकल गार्डन से मिलती हैं या दिल्ली मेट्रो के जरिए यहां तक पहुंचती हैं। ऐसे में मेट्रो के जरिए सेक्टर-52 तक पहुंचना और फिर सेक्टर-51 तक पहुंचने में ही 20 मिनट और लग जाते हैं जबकि बॉटनिकल गार्डन से ही बस के जरिए परी चौक 30 मिनट का समय लगता है।

लोगों को फीडर बसों और ई-रिक्शा की जानकारी नहीं

4. अभी भी स्टेशनो के आसपास सोसाइटी तक फीडर बसों या ई-रिक्शा के रूट की जानकारी लोगों को नहीं है। मेट्रो तक जाने के लिए ई-रिक्शे मिलते नहीं हैं। कनेक्टिवटी नहीं हो पाई है। सर्वे में यह बात भी सामने आई है। बस-रिक्शों के रूट की जानकारी नहीं होने से लोग निजी गाड़ी, कैब या अन्य माध्यम से निकल जाते हैं।

दिल्ली मेट्रो का कार्ड नहीं चलने पर परेशानी

5. डीएमआरसी का स्मार्ट कार्ड ग्रेनो मेट्रो में नहीं चलता है। ग्रेनो मेट्रो में सफर करने के लिए लोगों को अलग कार्ड बनवाना पड़ेगा। ऐसे में अधिक कार्ड रखने के झंझट से बचने के लिए लोग बॉटनिकल गार्डन पर उतर अन्य माध्यम से ग्रेटर नोएडा की ओर चले जाते हैं।

साढ़े तीन महीने बाद भी नोएडा-ग्रेटर नोएडा मेट्रो को बहुत कम सवारियां मिल रही हैं। • फाइल फोटो

सुधार के प्रयास

राहगीरी का आयोजन किया जाएगा

1. लोगों की भागीदारी बढ़ाने के लिए एनएमआरसी स्टेशनों के आसपास राहगीरी कराएगा। इसके अलावा मेले, फिल्म की शूटिंग व साप्ताहिक बाजार लगाकर लोगों को मेट्रो तक लाने का प्रयास किया जाएगा। इसमें सवारियों को किराए में छूट दी जा सकती है।

ई-रिक्शा और बसों के रूट दोबारा बनेंगे

2. स्टेशनों की सोसाइटी के आसपास तक हर रूट पर ई-रिक्शे व बस उपलब्ध कराए जाएंगे। हर बस पर रूट चार्ट लगाए जाएंगे। स्टेशनों के बाहर निकलते ही बस व उसके रूट की जानकारी चस्पा की जाएगी। स्टेशनों पर इस संबंध में उद्घोषणा भी की जाएगी।

आरडब्ल्यूए और कंपनी प्रतिनिधि के साथ बैठक होगी

3. स्टेशनों के आसपास के सेक्टर-सोसाइटी की संबंधित आरडब्ल्यूए व कंपनियों के प्रतिनिधि के साथ एनएमआरसी अधिकारी बैठक कर बस-रिक्शों के रूट की जानकारी देकर उनके मुताबिक रूट भी तैयार किए जाएंगे। खुद आरडब्ल्यूए वाले भी संपर्क कर सकते हैं।

एनएसईजेड की 40 कंपनियों के प्रतिनिधि के साथ बैठक : एनएमआरसी के कार्यकारी निदेशक पीडी उपाध्याय ने फेज टू स्थित एनएसईजेड की 40 कंपनियों के प्रतिननिधियों के साथ बैठक की। उनको बताया गया कि एनएसईजेड स्टेशन से कंपनियों की ओर जाने के लिए फुटओवर ब्रिज भी बनाया गया है। ग्रेनो मेट्रो की खासियतें भी अधिकारियों ने कंपनी वालों को बताई।

6. ग्रेनो मेट्रो में सवारियां बढ़ाने के लिए जल्द ही कई चीजों की शुरूआत की जाएगी। लास्ट माइल ट्रांसपोर्ट कनेक्टिविटी को और बेहतर बनाया जाएगा। यह बात यह सही है कि अभी उम्मीद के मुताबिक सवारियां नहीं मिल रही हैं। -मनोज वाजपेयी, महाप्रबंधक, एनएमआरसी